



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—खण्ड-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

धीधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 527] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 6, 1993/भाद्र 15, 1915

No. 527] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 6, 1993/BHADRA 15, 1915

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 667 (अ) :—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 253 की उपधारा (6) के माध्यम से पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाना है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का उद्दिष्ट नाम आयकर (पन्द्रहवां संशोधन) नियम, 1993 है।
- (2) ये 1 जून, 1992 को प्रदत्त हुए समझे जाएंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में, परिशिष्ट-2 के प्ररूप संख्या 36 में,—

(अ) (i) मद सं. 12 और 13 का लोप किया जाएगा :

(ii) विद्यमान मद सं. 14 को मद सं. 12 के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा;

(आ) टिप्पण वाले भाग में, विद्यमान क्रम सं. 2 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्:—

“2. किसी निर्धारित द्वारा आयकर अधिनियम की धारा 253 (1) के अधीन किसी अपील की दशा में, अपील जापान के साथ नीचे विनिर्दिष्ट फीस होनी चाहिए—

(क) उस मामले में, जहां निर्धारित अधिकारी द्वारा यथा-संगणित निर्धारित की कुल आय एक लाख रुपये या उससे कम हो, दो सौ पचास रुपये;

(ख) जहां किसी मामले में, जिससे अपील का संबंध है, पूर्वोक्त प्रकार से संगणित निर्धारित की कुल आय एक लाख रुपये से अधिक है, एक हजार पांच सौ रुपये ।

यह सुझाव दिया जाता है कि फीस चालान अभी प्राप्त करने के पश्चात् प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा या भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा या भारतीय रिजर्व बैंक की किसी शाखा में जमा की जाए और चालान की तीसरी प्रति अपील जापान के साथ अपील अधि-करण को भेजी जाए। अपील अधिकरण बैंक, ड्राफ्ट, हुंडी का अन्य प्रभार्य लिखते स्वीकार नहीं करेगा।”

स्पष्टीकारक जापान

वित्त अधिनियम, 1993 द्वारा अपील अधिकरण के समक्ष फाइल की जाने वाली अपीलों, जिसके अन्तर्गत फीस का संदाय भी है, से संबंधित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 253 की उपधारा (6) प्रतिस्थापित की गई है। चूंकि बढ़ाई फीस से संबंधित उपबंध भूतलक्षी रूप से 1 जून, 1992 से प्रतिस्थापित किया गया था; इसलिए संशोधन नियमों

को भूतलक्षी रूप से उक्त तारीख से प्रभावी करना आवश्यक है क्योंकि प्रस्तावित संशोधन पारिणामिक प्रकृति का है। अतः प्रस्तावित संशोधन से किसी पर भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

[सं. 9363/फा.सं. 142/38/93-टी.पी.एल.]

डी.पी. सेमवाल, अवर सचिव

पाठ टिप्पण : — मूल नियम, अधिसूचना सं. का.जा. 969, तारीख 26 मार्च, 1962 के अधीन प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् समय-समय पर उनमें संशोधन किए गए और अन्त में का.आ.सं. 661(अ) तारीख 3-9-1993 द्वारा अधिसूचित किए गए हैं।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th September, 1993

INCOME-TAX

S.O. 667(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with sub-section (6) of section 253, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may called the Income-tax (Fifteenth Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of June, 1992.

2. In the Income-tax Rules, 1962, in Appendix II, in Form No. 36 —

(A) (i) item Nos. 12 and 13 shall be omitted ;

(ii) the existing item No. 14 shall be renumbered as item No. 12 ;

(B) In notes portion for existing Serial No. 2 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“2. The memorandum of appeal in the case of an appeal by an assessee under section 253(1) of the Income-tax Act must be accompanied by a fee specified below —

- (a) in a case where the total income of the assessee as computed by the Assessing Officer is rupees one Lakh or less, rupees two hundred and fifty ;
- (b) where the total income of the assessee computed as aforesaid in the case to which the appeal relates is more than one lakh rupees, one thousand and five hundred rupees.

It is suggested that the fee should be credited in a branch of the authorised bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India after obtaining a challan and the triplicate challan sent to the Appellate Tribunal with the memorandum of appeal. The Appellate Tribunal will not accept cheques, drafts, hundies or other chargeable instruments."

EXPLANATORY MEMORANDUM

Finance Act, 1993 substituted sub-section (6) of section 253 of the Income-tax Act, 1961 relating to the appeals to be filed before the Appellate Tribunal including payment of fee. Since the provision relating to increased fees was substituted retrospectively with effect from 1-6-1992, therefore, it is necessary to give effect to the Amendment rules retrospectively from the said date as the proposed amendment is consequential in nature. Therefore, no one is adversely affected by the proposed amendment.

[No. 9363/F. No. 142/38/93-TPL]

D. P. SEMWAL, Under Secy.

Foot Note : Principal rules were published under Notification No. S.O. 969 dated 26-3-1962 and subsequently amended from time to time, were last notified vide S.O. No. 661(E) dated 3-9-1993.